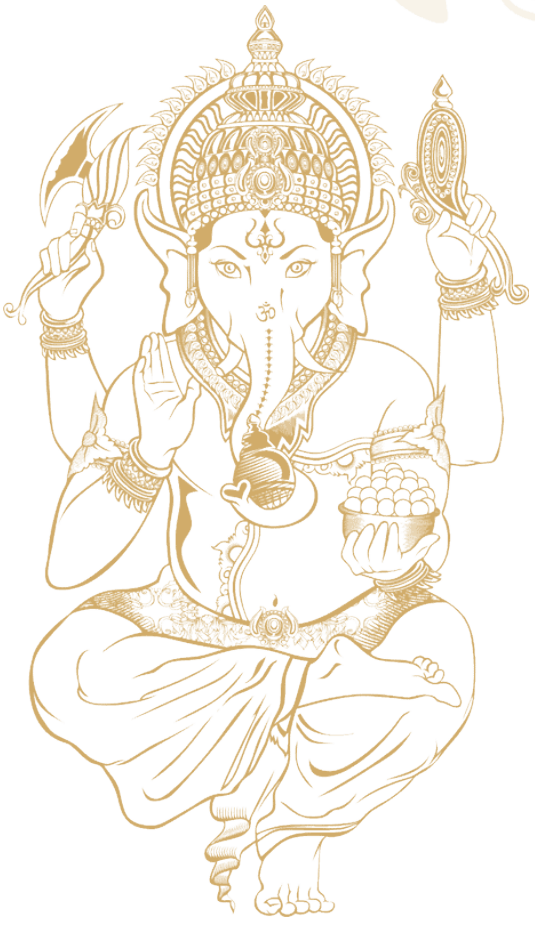

Mehak

18 Sep 1998

06:26 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121915202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18/09/1998**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**06:26:00 घंटे**
इष्ट	00:46:31 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:04:52 घंटे
वेलान्तर	00:05:42 घंटे
साम्पातिक काल	05:51:52 घंटे
सूर्योदय	06:07:23 घंटे
सूर्यास्त	18:22:55 घंटे
दिनमान	12:15:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:05:04 कन्या
लग्न के अंश	04:22:17 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-मानवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	04:22:17	318:04:57	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			कन्या	01:05:04	00:58:34	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	सम राशि
चंद्र			सिंह	01:01:42	12:27:02	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कर्क	24:06:11	00:37:34	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	नीच राशि
बुध		अ	सिंह	24:17:54	01:52:57	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	28:57:49	00:07:59	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
शुक्र			सिंह	20:04:30	01:14:30	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	08:51:32	00:03:14	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	नीच राशि
राहु			सिंह	07:36:02	00:00:35	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	07:36:02	00:00:35	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	15:21:19	00:01:26	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:41:50	00:00:45	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	11:45:22	00:01:04	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	04:17:51	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:12

लग्न-चलित

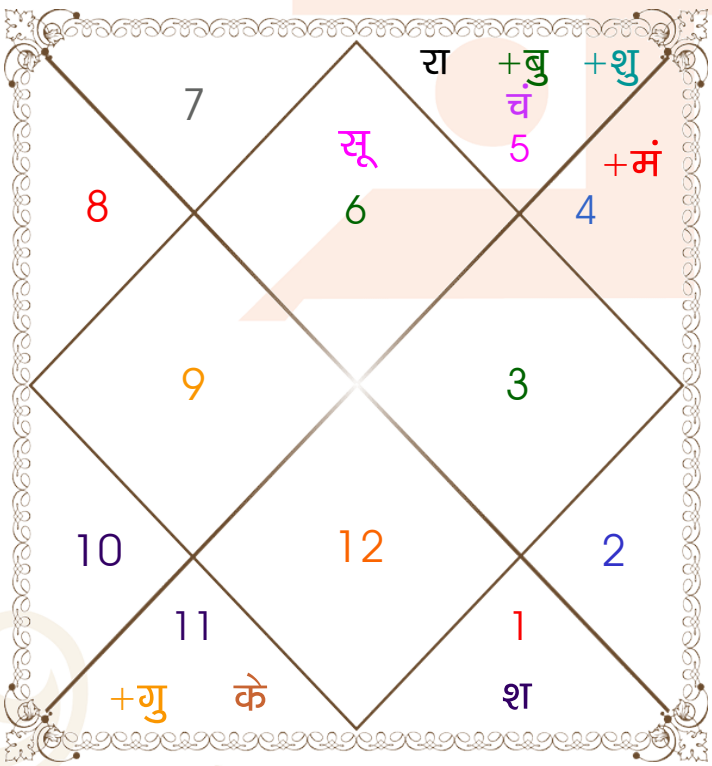

चन्द्र कुंडली

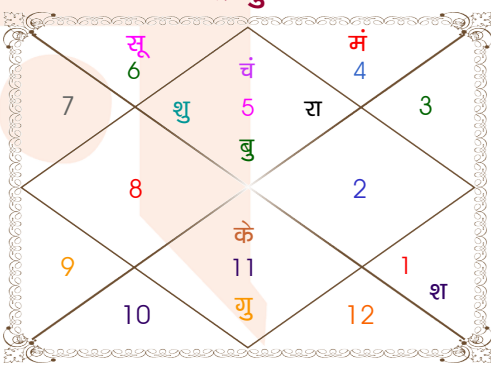

नवमांश कुंडली

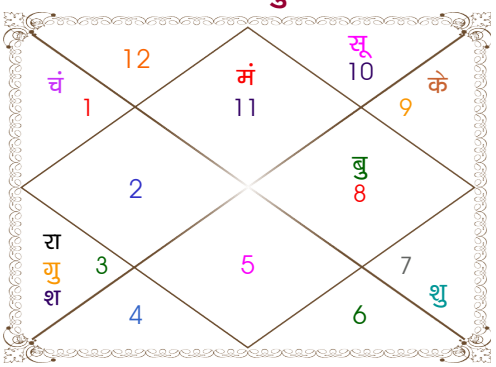

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 5 मास 15 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/09/1998		04/03/2005		04/03/2025		05/03/2031		04/03/2041	
04/03/2005		04/03/2025		05/03/2031		04/03/2041		04/03/2048	
	18/09/1998	शुक्र	04/07/2008	सूर्य	22/06/2025	चंद्र	03/01/2032	मंगल	31/07/2041
शुक्र	01/10/1999	सूर्य	04/07/2009	चंद्र	22/12/2025	मंगल	03/08/2032	राहु	19/08/2042
सूर्य	06/02/2000	चंद्र	05/03/2011	मंगल	28/04/2026	राहु	02/02/2034	गुरु	26/07/2043
चंद्र	06/09/2000	मंगल	04/05/2012	राहु	23/03/2027	गुरु	04/06/2035	शनि	03/09/2044
मंगल	02/02/2001	राहु	05/05/2015	गुरु	09/01/2028	शनि	02/01/2037	बुध	31/08/2045
राहु	20/02/2002	गुरु	03/01/2018	शनि	21/12/2028	बुध	04/06/2038	केतु	27/01/2046
गुरु	27/01/2003	शनि	04/03/2021	बुध	28/10/2029	केतु	03/01/2039	शुक्र	29/03/2047
शनि	07/03/2004	बुध	03/01/2024	केतु	05/03/2030	शुक्र	03/09/2040	सूर्य	04/08/2047
बुध	04/03/2005	केतु	04/03/2025	शुक्र	05/03/2031	सूर्य	04/03/2041	चंद्र	04/03/2048

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/03/2048		05/03/2066		05/03/2082		05/03/2101		06/03/2118	
05/03/2066		05/03/2082		05/03/2101		06/03/2118		00/00/0000	
राहु	15/11/2050	गुरु	22/04/2068	शनि	07/03/2085	बुध	02/08/2103	केतु	02/08/2118
गुरु	10/04/2053	शनि	03/11/2070	बुध	16/11/2087	केतु	29/07/2104	शुक्र	19/09/2118
शनि	15/02/2056	बुध	08/02/2073	केतु	24/12/2088	शुक्र	30/05/2107		00/00/0000
बुध	03/09/2058	केतु	15/01/2074	शुक्र	24/02/2092	सूर्य	05/04/2108		00/00/0000
केतु	22/09/2059	शुक्र	15/09/2076	सूर्य	05/02/2093	चंद्र	04/09/2109		00/00/0000
शुक्र	21/09/2062	सूर्य	04/07/2077	चंद्र	06/09/2094	मंगल	01/09/2110		00/00/0000
सूर्य	16/08/2063	चंद्र	03/11/2078	मंगल	16/10/2095	राहु	21/03/2113		00/00/0000
चंद्र	14/02/2065	मंगल	10/10/2079	राहु	22/08/2098	गुरु	26/06/2115		00/00/0000
मंगल	05/03/2066	राहु	05/03/2082	गुरु	05/03/2101	शनि	06/03/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 5 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगीं। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

आप वणिक प्रवृति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगी। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगी। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगी। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगी।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगी। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगी। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगी संभाल सकेंगी जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगी कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना,

अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।